प्राक्कथन

यह लेखापरीक्षा प्रतिवेदन भारत के नियंत्रक महोलखापरीक्षक के निष्पादन लेखापरीक्षा दिशानिर्देशों तथा लेखा और लेखापरीक्षा विनियम, 2007 के अनुसार तैयार किया गया है।

भारत सरकार ने विकास को बढाने के लिए, बड़े निजी निवेश के साथ विद्युत क्षेत्र की कुशल और तीव्र वृद्धि पर जोर दिया। योजना आयोग ने भी Xवीं योजना के लिए निर्धारित लक्ष्यों की तुलना में XIवीं योजना में विद्युत उत्पादन में वृद्धि की (जून 2008) ताकि सभी घरों को विद्युत मुहैया कराने के लिए राष्ट्रीय विद्युत नीति (फरवरी 2005) के उद्देश्य को प्राप्त किया जा सके। इन विद्युत उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए देश में उपस्कर विनिर्माताओं सहित पर्याप्त विद्युत उपस्कर विनिर्माण क्षमता की मौजूदगी समान रूप से महत्वपूर्ण थी। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) एक महारत्न केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम और देश में सबसे बड़े इंजीनियरिंग और विनिर्माण उद्यमों में से एक, ने देश में बढ़ते विद्युत उत्पादन लक्ष्यों के अनुरूप अपनी उपस्कर विनिर्माण क्षमता को 10,000 मे.वा. प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 20,000 मे.वा. प्रति वर्ष करने की योजना बनाई।

लेखापरीक्षा ने मितव्ययिता, प्रभावकारिता और विनिर्माण क्षमता के विस्तार की दक्षता और इसकी उपयोगिता की जाँच के लिए भेल की निष्पादन लेखापरीक्षा की। लेखापरीक्षा रिपोर्ट ने 2007-12 के दौरान विनिर्माण क्षमता विस्तारण के कार्यान्वयन और इसकी उपयोगिता की संकल्पना से भेल के प्रयासों की पर्याप्तता और परिणामों की जाँच की।

लेखापरीक्षा भेल, भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) और विद्युत मंत्रालय का लेखापरीक्षा प्रक्रिया के प्रत्येक स्तर पर प्राप्त सहयोग के लिए आभार व्यक्त करता है।